insurance companies evinced interest in entering the insurance market if and when it is opened up for the private sector operations.

Strike by Bank Employees

198. SHRI O.P. KOHLI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether about 7,00,000 employees of the public and private sector banks had struck work in response to a two-day strike called on 26th and 27th September, 1995 to press their demand for revision of wages;

(b) whether this was the second strike by the bank employees in less than a month;

(c) if so, the estimated loss suffered as result thereof; and

(d) the efforts made by Government to settle the dispute of the bank employees amicably so that the economy of the country does not suffer?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (DR. DEBI PROSAD PAL): (a) A large number of employees in the banking industry struck work on 26th and 27th Sept., 1995 in support of their contention that officers in the banking industry had received a better deal.

(b) Yes, Sir.

(c) Having regard to the importance of the banking sector and the significant role that it plays in different sectors of the economy, the economy suffered considerably on account of the 2 day strike. It is, however, riot possible to quantify the exact amount of loss suffered by the economy on account of the strike. According to the Indian Banks' Association, the banking industry suffered a loss of around 5 million man-hours on each day of the strike.

(d) Conciliation proceedings were undertaken by the concerned authorities including Chief Labour Commissioner (Central). Several meetings at different levels have also been held with the leaders of the concerned trade unions.

देश के ताप बिजली घर

199. **श्री सोमपाल** : क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) देश में कुल कितने ताप बिजलीघर है और प्रत्येक की विद्युत उत्पादन क्षमता कितनी है**;**

(ख) इन ताप बिजली घरों द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान अपनी विद्युत उत्पादन क्षमता का कितना-कितना प्रतिशत उपयोग किया गया**;** और

(ग) सरकार ने इन बिजलीघरों में उत्पादन क्षमता के बेहतर उपयोग के लिए क्या उपाय किए हैं तथा उनके क्या परिणाम निकले है?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिलाबेन चिमनभाई पटेल) : (क) और (ख) इस समय देश में 100 ताप विद्युत केन्द्र है जिनमें से 72 कोयला आधारित है । इन केन्द्रों में से प्रत्येक की क्षमता और कोयला आधारित केन्द्रों के सम्बन्ध में पिछले 3 वर्षो के दौरान संयंत्र भार अनुपात की दृष्टि से % क्षमता समुपयोजना का ब्यौरा विवरण में दिया गया है (**नीचे देखिए**) गैस/ऑयल आधारित केन्द्र अनिवार्यतः व्यस्ततम भार परिचालन के लिए हैं और सामान्यतया उनका पीएलएफ परिकल्पित नहीं किया जाता है ।

(ग) अधिष्ठापित क्षमता का इष्टतम समुपयोजन के लिए सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों में, पुरानी यूनिटों के नवीकरण एवं आधुनिकीकरण का कार्यक्रम, संयंत्रों के बेहतर प्रचालन और अनुरक्षण में विद्युत इंजीनियर कार्मिकों को प्रशिक्षण देना, कोयला, रेलवे और पैट्रोलियम कार्मिकों कों प्रशिक्षण देना, कोयला, रेलवे और पैट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस मंत्रालयों के साथ सम्पर्क रखना ताकि अपेक्षित मात्रा और गुणवत्ता के ईधन की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके और पारेषण तथा वितरण प्रणालियों को मजबूत करना इत्यादि शामिल है । इसके परिणामस्वरूप, वर्ष 1994-95 के दौरान अखिल भारतीय औसत संयंत्र भार अनुपात 60% है ।